

प्रेषक,

के०सी०मि०
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

अधिशाली अधिकारी
सम्बन्धित नगर पालिका परिषद, उत्तरांचल
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-१

देहरादून :: दिनांक 17 जुलाई, 2004

विषय:-राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में नगरपालिका परिषदों को धनराशि का संक्रमण (द्वितीय तिमाही हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगरपालिका परिषदों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु रु० 72253000 (सात करोड़ बाईस लाख तिरपन हजार मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

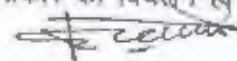
2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) स्थानीय निकायों को कुल देय वार्षिक धनराशि से 30 प्रतिशत अंश रोका गया है जो प्रतिवेदन के प्रस्तर 21.5 के अन्तर्गत प्रस्तर 22.5 व 22.6 के अनुसार राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की संस्तुति पर अवमुक्त किया जायेगा। शेष 70 प्रतिशत अंश को 4 समान तिमाही किश्तों में अवमुक्त किया जायेगा। तदनुसार द्वितीय किश्त अवमुक्त की जा रही है।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति इस्तधारित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से किसी प्रकार का आवर्तन/ समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का वातवर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी / वित्त नियंत्रक / मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो



तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाधीनक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन -आयोजनेत्तर- 01- नगरीय स्थानीय निकाय-192-नगरपालिका/नगर निकाय-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन-00 -20-सहायक अनुदान/ अंशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्न- यथोपरि।

भवदीय,

(के०सी०मिश्र)

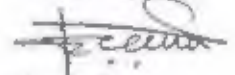
अपर सचिव (वित्त)

संख्या-5431/वि०अनु०-1/2004 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, इन्सपेक्शन। देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल।
- 3- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय, निदेशालय, देहरादून।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 5- निदेशक, कोषागार, वित्त सेवाएं, उत्तरांचल, देहरादून।
- 6- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तरांचल।
- 7- विभागीय अधिकारी / वित्त नियंत्रक / मुख्य / वरिष्ठ लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 8- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 9- एन० आई०सी० सचिवालय, उत्तरांचल, देहरादून।

आज्ञा से,



(के०सी०मिश्र)

अपर सचिव (वित्त)

